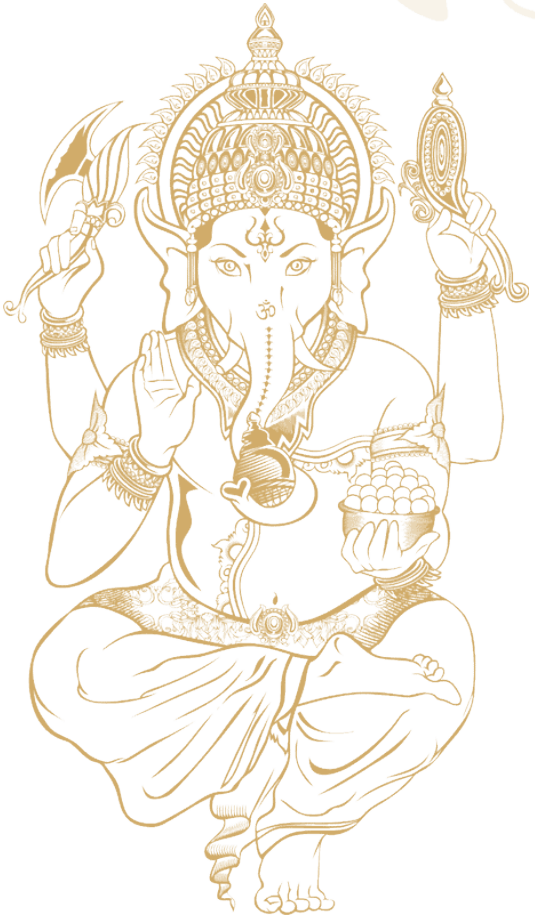

Vishal

23 Nov 2002

09:50 AM

Kathua

Model: web-freekundliweb

Order No: 121897004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/11/2002**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**09:50:00 घंटे**
इष्ट	06:54:12 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:22:04 घंटे
वेलान्तर	00:13:42 घंटे
साम्पातिक काल	13:29:58 घंटे
सूर्योदय	07:04:19 घंटे
सूर्यास्त	17:24:09 घंटे
दिनमान	10:19:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:47:57 वृश्चिक
लग्न के अंश	12:12:39 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	साध्य
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:12:39	343:37:14	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	06:47:57	01:00:37	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	12:10:00	12:39:04	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
मंगल			तुला	00:41:58	00:38:30	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध		अ	वृश्चि	11:54:22	01:33:39	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			कर्क	24:00:07	00:02:12	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	06:13:56	00:04:32	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	03:36:56	00:04:07	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु			वृष	14:45:59	00:00:45	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	14:45:59	00:00:45	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:10:07	00:00:58	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:37:09	00:01:07	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:55:28	00:02:13	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			तुला	00:23:36	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:34

लग्न-चलित

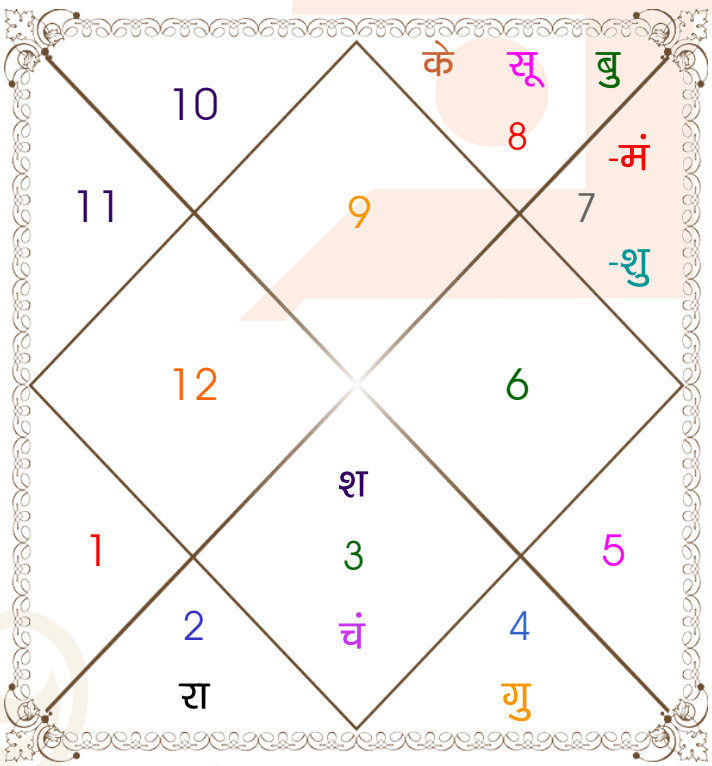

चन्द्र कुंडली

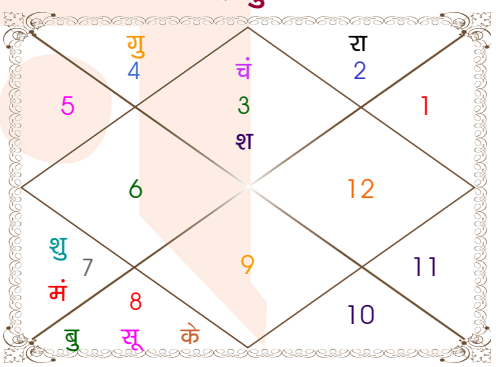

नवमांश कुंडली

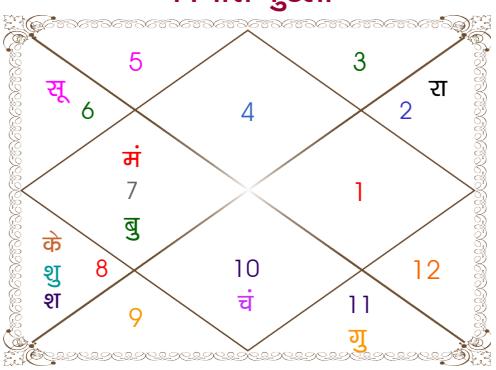

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 6 मास 27 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/11/2002		20/06/2013		20/06/2029		20/06/2048		20/06/2065	
20/06/2013		20/06/2029		20/06/2048		20/06/2065		20/06/2072	
	00/00/0000	गुरु	09/08/2015	शनि	23/06/2032	बुध	17/11/2050	केतु	17/11/2065
	23/11/2002	शनि	19/02/2018	बुध	03/03/2035	केतु	14/11/2051	शुक्र	17/01/2067
शनि	03/06/2003	बुध	27/05/2020	केतु	11/04/2036	शुक्र	14/09/2054	सूर्य	24/05/2067
बुध	20/12/2005	केतु	03/05/2021	शुक्र	12/06/2039	सूर्य	21/07/2055	चंद्र	24/12/2067
केतु	08/01/2007	शुक्र	02/01/2024	सूर्य	24/05/2040	चंद्र	20/12/2056	मंगल	21/05/2068
शुक्र	07/01/2010	सूर्य	20/10/2024	चंद्र	23/12/2041	मंगल	17/12/2057	राहु	08/06/2069
सूर्य	02/12/2010	चंद्र	19/02/2026	मंगल	01/02/2043	राहु	05/07/2060	गुरु	15/05/2070
चंद्र	02/06/2012	मंगल	26/01/2027	राहु	08/12/2045	गुरु	11/10/2062	शनि	24/06/2071
मंगल	20/06/2013	राहु	20/06/2029	गुरु	20/06/2048	शनि	20/06/2065	बुध	20/06/2072

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/06/2072		20/06/2092		21/06/2098		21/06/2108		22/06/2115	
20/06/2092		21/06/2098		21/06/2108		22/06/2115		00/00/0000	
शुक्र	21/10/2075	सूर्य	08/10/2092	चंद्र	21/04/2099	मंगल	17/11/2108	राहु	04/03/2118
सूर्य	20/10/2076	चंद्र	08/04/2093	मंगल	20/11/2099	राहु	06/12/2109	गुरु	28/07/2120
चंद्र	21/06/2078	मंगल	14/08/2093	राहु	22/05/2101	गुरु	12/11/2110	शनि	24/11/2122
मंगल	21/08/2079	राहु	09/07/2094	गुरु	21/09/2102	शनि	21/12/2111		00/00/0000
राहु	20/08/2082	गुरु	27/04/2095	शनि	21/04/2104	बुध	18/12/2112		00/00/0000
गुरु	20/04/2085	शनि	08/04/2096	बुध	21/09/2105	केतु	16/05/2113		00/00/0000
शनि	20/06/2088	बुध	13/02/2097	केतु	22/04/2106	शुक्र	16/07/2114		00/00/0000
बुध	21/04/2091	केतु	20/06/2097	शुक्र	21/12/2107	सूर्य	21/11/2114		00/00/0000
केतु	20/06/2092	शुक्र	21/06/2098	सूर्य	21/06/2108	चंद्र	22/06/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 6 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।